Sri – Om
VEDIC MATHEMATICS AWARENESS YEAR

E-Newsletter Issue no 148 dated 01-04-2015

(Organizers Dr. S. K. Kapoor, Sh. Rakesh Bhatia, Sh. Bhim Sein Khanna, Sh. Deepak Girdhar)

For previous issues and further more information visit at www.vedicganita.org

ॐ । गायत्री छन्द । सरसवती मंत्र । महेश्वर सूत्र । गणित सूत्र

Om Gyatri Chand, Saraswati Mantra, Maheshwar Sutra, Ganita Sutras

वैदिक गणित (सूर्य रश्मियो का गणित)	Vedic Mathematics (Sunlight format Mathematics)
I. देवनागरी वर्णमाला II. जड़ भरत III. वर्णो की उत्पति IV. पंचीकरण V. ज्योति व्यूह अंक VI. आ ब्रह्म् भुवन लोक VII बीज अक्षर VIII श्री ॐ IX देवनागरी लिपि X रेफ XI एक वर्णमाला से दूसरी वर्णमाला तक XII गणित सूत्रो का स्थापत्य आधार	I. Devnagri alphabet II. Jad Bharat III. Creation of letters IV. 5 x 5 format V. Transcendental code value VI. Along organization format of elongated first vowel VII Seeds syllables VIII Sri Om IX Devnagrai script X Raif (letter: second Antstha) XI From one alphabet to another alphabet XII Sathapatya basis of Ganita Sutras
XIII आधा रेफ	XIII Half second antstha letter
वेद का ज्योतिव्यूह मूल्य अंक = 7 + 6 + 6+1 = 7 + 6 + 7 = 20	Transcendental code value of 'वेद' / veda is 20 TCV (वेद) = 7 + 6 + 6 + 1=20
'आधा रेफ' का ज्योतिव्यूह मूल्य अंक = (2+7 + 2) + (3+6+6+1) = 11 + 16 = 27 = 4 + 1 + 8 + 1 + 13 = घनः का ज्योतिव्यूह मूल्य अंक।	Transcendental code value of 'आधा रेफ' is 27 which is equal to transcendental code value of घनः TCV (आधा रेफ) (2+7+2) + (3+6 + 6 + 1) = 11 + 16 = 27 = TCV (घनः) = 4 +1 + 8 + 1 +13
घनः = 27 तथा अनघः = 28 । इस तरह से 'आधा रेफ' = 'घनः' हमे वेदकार के होने से वेद विद्या मे प्रवेश	TCV (घनः) = 27, TCV (अनघः) = 28 and TCV (वेदकार) = 27, that way leads us towards Vedic knowledge format.

कराता है।	
‘आधा रेफ’ के गणित को जानने से ही वेद विद्या मे प्रवेश वैदिक ज्ञान विज्ञान वा तकनीकि अनुशासन को प्राप्त कर सकते है।	It is with the knowledge of ‘आधा रेफ’ / half second antstha letter, that one may initiate oneself for knowledge and Discipline of Vedic mathematics, Science & Technology.
रेफ की तीन अवस्थाये है ‘ ⁄ , ˤ , र्’	Letter ‘रेफ’ / Raif / half second anststha letter is of three phases and stages ‘ ⁄ , ˤ , र्’
रेफ की चौथी जो कि प्राप्ति की आवस्था है वह इस ‘ ‸ ’ स्वरूप वाली है।	The fourth phase and stage of letter ‘Raif’ is of attainment values and it is of the form and frame ‘ ‸ ’.
पहली व चौथी आवस्था ‘ ⁄ , ‸ ’ का एक साथ विलोकन करने पर ये ज्ञातव्य होगा कि चौथी आवस्था वाला रेफ वास्तव मे पहली आवस्था वाले रेफ को दो भाग वाला ही होना है और जुड़ा भी रहना है। यहां ये ज्ञातव्य होगा कि ‘आधा रेफ’ का मूल्य संदेश किन गुणो वाला है।	The first and fourth state ‘ ⁄ , ‸ ’ , on their together glimpse will bring us face to face with the features as that fourth state is the transition for first state in two parts, which remain joined. Here one may know as to what are the features of half second antstha letter.
इस तरह से रेफ की चार आवस्थाओ का आरोही क्रम ‘ ⁄ , ˤ , र्, ‸ ’ को किस तरह से अवरोही क्रम ‘ र्, ˤ , ⁄ , ‸ ’ परिवर्तित होकर सामने आता है।	Here one may know as to how the sequential increasing phases and stages ‘ ⁄ , ˤ , र्, ‸ ’ transits and transforms into sequential decreasing sequence ‘ र्, ˤ , ⁄ , ‸ ’ .
यहा पर ॐ इति एक अक्षर ब्रह्म् का चार पादो के विधि विधान वाला ब्रह्म् वा ज्ञान आधार सामने आता है।	Here the knowledge format of Om Itah Ek Akshar Braham transits and transforms ‘wholesome one’ into wholesome of four quarters .
यहां से वेद विद्या क्षेत्र की जागृति के प्रथम सोपान मे प्रवेश होता है। इसी द्वारका का प्रवेश है।	Here one initiates for the first Vedic knowledge domain. Here is the entry door (द्वार) of (द्वारका) Dwarka city.
ये प्रवेश ‘श्रद्धा’ प्रवेश है।	This initiation and entry is through ‘श्रद्धाद्वार’ (Faith door)

‘श्रद्धा’ शब्द की जानकारी से ही प्रवेश किया जाता है।

‘श्रद्धा’ शब्द छः निम्नलिखित वर्णो से गठित है।

१	२	३	४	५	६
श	◌	अ	द्	ध्	टा
2	1	1	6	7	2

‘श्रद्धा’ = कृष्ण = 19

कृष्ण शब्द निम्नलिखित पांच वर्णो से गठित है।

१	२	३	४	५
क	◌	ष्	ण्	अ
1	4	6	7	1

यहां ये ज्ञातव्य हो कि श्रीमद भगवद गीता मे भगवान श्री कृष्ण का दिव्य संदेश है।

श्रद्धावानम् लभयन्ते ज्ञानम्

श्रद्धावान् = ३६ = प्रणवः

*

…क्रमश

०१-०४-२०१५ डा. सन्त कुमार कपूर

Entry is with the knowledge of ‘श्रद्धाद्वार’ (Faith door).

The formulation word ‘श्रद्धा’ avails following six letters for its composition.

१	२	३	४	५	६
श	◌	अ	द्	ध्	टा
2	1	1	6	7	2

TCV (श्रद्धा) = (कृष्ण) = 19

Formulation word ‘कृष्ण’ avails following five letters for its composition

१	२	३	४	५
क	◌	ष्	ण्	अ
1	4	6	7	1

Here it would be relevant to note that Lord Krishna enlightens in His Divine song Srimad Bhagwad Geeta as that:

Only faithful are blessed with knowledge.

TCV (श्रद्धावान्)= ३६ = TCV (प्रणवः)

*

…to be continued

01-04-2015 Dr. Sant Kumar Kapoor